GUPS/GSSS
अर्द्धवार्षिक परीक्षा – 2025-26
कक्षा: VIII | विषय: हिन्दी
समय : 2 घण्टे | अधिकतम अंक : 35

भाग – A (वस्तुनिष्ठ) [प्र.1–7 | 1×7 = 7]

प्र.1 साइकिल चलाने वाली महिलाओं ने साइकिल चलाने को क्या बताया?
(अ) व्यक्तिगत आजादी
(ब) अच्छा अनुभव
(स) नवसाक्षर होना
(द) खराब अनुभव

प्र.2 सुदामा ने चावलों की पोटली कहाँ छिपा कर रखी थी?
(अ) काँख में
(ब) गटरी में
(स) हाथ में
(द) झोले में

प्र.3 'यह सबसे कठिन समय नहीं' कविता में तिनका कहाँ है?
(अ) पानी में
(ब) चोंच में
(स) जमीन पर
(द) पेड़ पर

प्र.4 बदलू के आँगन में किसका पेड़ लगा हुआ था?
(अ) आम का
(ब) शीशम का
(स) नीम का
(द) अनार का

प्र.5 "सामाजिक" शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(अ) इल
(ब) ईक
(स) क
(द) समाज

प्र.6 निम्न में से शुद्ध शब्द है—
(अ) उज्जवल
(ब) उज्ज्वल
(स) उजवल
(द) उज्जज्वल

प्र.7 "गीता मधुर गीत _____ है।" (रिक्त स्थान भरिए)
(अ) सुनाएगी
(ब) सुनेगी
(स) सुनाती
(द) सुना

भाग – B (लघु उत्तरीय) [प्र.8–11 | 2×4 = 8]

प्र.8 पुडुकोट्टई में कोई महिला यदि चुनाव लड़ती तो अपना पार्टी-चिन्ह क्या बनाती और क्यों? (2)

प्र.9 "झरती हुई पत्ती थामने को बैठा है हाथ एक" — इससे क्या तात्पर्य है? (2)

प्र.10 दोषों का पर्दाफाश करना कब बुरा रूप ले सकता है? (2)

प्र.11 कवि ने दुनिया को भिखमंगा क्यों कहा है? (2)

भाग – C (विस्तृत) [प्र.12–14 | किसी भी 2 × 3 = 6]

प्र.12 बदलू की किस बात से लेखक को उसके स्वाभिमान पर गर्व हो गया? (60–80 शब्द) (3)

प्र.13 द्वारका से खाली हाथ लौटते समय सुदामा मार्ग में क्या-क्या सोच रहा था? कृष्ण के व्यवहार से वह क्यों खीझ रहा था? सुदामा की दुविधा स्पष्ट कीजिए। (60–80 शब्द) (3)

प्र.14 हमारे जीवन में डाकिए की भूमिका क्या है? इस विषय पर नौ वाक्य लिखिए। (3)

भाग – D (काव्य/व्याकरण अनुप्रयोग) [प्र.15–17 | किसी भी 2 × 4 = 8]

प्र.15 निम्न पद्यांश का प्रसंग तथा सरल अर्थ लिखिए:

"जो बीत गई सो बात गई,
जीवन में एक सितारा था, माना वह बेहद प्यारा था।"

प्र.16 निम्न विशेषणों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए— (अ) गहरा (ब) सुन्दर (4)

प्र.17 निम्न मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए— (अ) दिन-रात एक करना (ब) चार चाँद लगाना (4)

भाग – E (अपठित गद्यांश) [प्र.18–21 | किसी भी 3 × 1 = 3]

अपठित गद्यांश पढ़कर उत्तर लिखिए:

मेरा मन कहता है, ऐसा नहीं हो सकता कि यह वही भारत है जिसकी कल्पना हमारे महापुरुषों ने की थी। उन्होंने ऐसे भारत का स्वप्न देखा था जहाँ लोग प्रेम, एकता और भाईचारे के साथ रहें। वे चाहते थे कि हर नागरिक सच्चाई, ईमानदारी और परिश्रम के मार्ग पर चले। परन्तु आज का वातावरण कुछ बदल गया है। लोग अपने स्वार्थ में इतने लिप्त हो गए हैं कि समाज और देश के हित को भूल गए हैं। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था डगमगाने लगी है।

18. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। (1)
19. हमारे महान मनीषियों का भारत कैसा था? (1)
20. आजकल सामाजिक माहौल कैसा बन रहा है? (1)
21. किस स्थिति में जीवन के महान मूल्यों की आस्था हिलने लगी है? (1)

भाग – F (लेखन कौशल) [प्र.22–23 | किसी भी 1 = 3]

प्र.22 प्रधानाचार्य जी को गणित विषय में अतिरिक्त कालांश हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए। (लगभग 80–100 शब्द) (3)

अथवा — दो मित्रों के बीच पुस्तकें खरीदने के विषय में चार संवाद लिखिए। (3)

प्र.23 निम्न में से किसी एक विषय पर लघु निबंध (≈120 शब्द) लिखिए— (क) स्वच्छता का महत्त्व (ख) बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ (ग) मोबाइल का बढ़ता प्रचलन (घ) जीवन की अविस्मरणीय घटना (3)

© 2025 www.apnigovt.com